एक घर बने न्यारा

Ek Ghar Bane Nyara

आज के युग में प्रत्येक व्यक्ति अपना एक घर बनाने का इच्छुक रहता है। वह एक न्यारा घर बनाना चाहता है। रोटी, कपड़ा और मकान मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताएँ हैं। गरीब से गरीब व्यक्ति भी अपना घर बनाने को उत्सुक रहता है। यह ठीक है कि प्रत्येक व्यक्ति की अपनी-अपनी आर्थिक सीमाएँ होती हैं। सभी अपनी सीमा को ध्यान में रखकर अपने घर को दूसरों से अलग किस्म का बनाना चाहता है।

आज के घर में अनेक प्रकार की सुविधाएँ जुटाई जाती हैं। सभी आरामदायक एवं सुंदर घर की आकांक्षा रखते हैं। घर के सदस्यों की संख्या एवं आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर घर बनाया जाता है। घर की साज-सज्जा पर भी विशेष ध्यान रखा जाता है।

घर बनाना कोई आसान काम नहीं है। इसके लिए काफी धन की आवश्यकता होती है। आजकल भवन-निर्माण सामग्री काफी महँगी है। घर बनाने में सामान्य आय के व्यक्तियों को काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। हाँ, अब बैंकों से कम ब्याज पर ऋण की सुविधा अवश्य हांसिल हो जाती है पर बाद में मोटी किश्त चुकानी पड़ती है। फिर भी अपने घर में रहने का सुख कुछ और ही होता है। अपने न्यारे घर में ड्राइंग रूम मे अलावा कई बैड रूमों, किचन, बाथरूम, स्टोर आदि की भी व्यवस्था करनी होती है। कमरों में

विविध प्रकार की सुविधाएँ चाहिएँ। घर को सबसे अलग खिना भी चाहिए। यह घर सबसे न्यारा होना चाहिए।